Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Kholo Kholo Darwaaje
Lyricist: Prasoon Joshi

खोलो खोलो दरवाज़े
पर्दे करो किनारे
खूँटे से बँधी है हवा
मिल के छुड़ाओ सारे
सारे सारे सारे
आ जाओ पतंग लेके
अपने ही रंग लेके
आसमाँ का शामियाना
आज़ हमें है सज़ाना
सज़ाना सज़ाना सज़ाना
क्यों इस कदर हैरान तू
मौसम का है मेहमान तू
ओ दुनिया सजी तेरे लिए
खुद को ज़रा पहचान तू
तू धूप है छम से बिखर
तू है नदी ओ बेखबर
बह चल कहीं
उड़ चल कहीं
दिल खुश जहाँ
तेरी तो मंजिल है वहीं
ओ क्यों इस कदर हैरान तू
मौसम का है मेहमान तू
बाँसी ज़िंदगी उदासी
ताज़ी हँसने को राज़ी
गरमा गरम सारी
अभी अभी है उतारी
हो... ज़िंदगी तो है बताशा
मीठी मीठी सी है आशा

चखले रखले हथेली से ढ़क ले इसे
तुझमें अगर प्यास है
बारिश का घर भी पास है
ओ रोके तुझे कोई क्यों भला
संग संग तेरे आकाश है
तू धूप है छम से बिखर
तू है नदी ओ बेखबर
बह चल कहीं
उड़ चल कहीं
दिल खुश जहाँ
तेरी तो मंजिल है वहीं
हो क्यों इस कदर हैरान तू
मौसम का है मेहमान तू

खोलो खोलो दरवाज़े
पर्दे करो किनारे
खूँटे से बँधी है हवा
मिल के छुड़ाओ सारे
सारे सारे सारे
आ जाओ पतंग लेके
अपने ही रंग लेके
आसमाँ का शामियाना
आज़ हमें है सज़ाना
सज़ाना सज़ाना सज़ाना

खुल गया आसमाँ का रस्ता
देखो खुल गया
मिल गया खो गया था जो सितारा

मिल गया मिल गया
रोशन हुई सारी ज़मीं
जगमग हुआ सारा जहाँ
हो उड़ने को तू आज़ाद है
बंधन कोई अब है कहाँ
तू धूप है छम से बिखर
तू है नदी ओ बेखबर

बह चल कहीं
उड़ चल कहीं
दिल खुश जहाँ
तेरी तो मंजिल है वहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.